४०१ / १७५

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा

सत्संग प्रवेश : प्रश्नपत्र - १

सुबहः ९:०० से ११:१५] (रविवार, १५ जुलाई, २००१) **कुल अंक : ७५**

सूचना : प्रश्न की दाहिनी तरफ उसके अंक दर्शाए गये हैं ।

(विभाग - १ नीलकंठ चरित्र)

प्र. १. निम्नांकित में से कोई भी दो अवतरण कौन, किससे और कब कहता है, यह लिखिए। **६**

१. *''आज तक मेरे मन में किसी के प्रति आकर्षण नहीं था ।''*
२. *''चिंता मत कीजिए, मैं तुम्हारी सेवा करुँगा ।''*
३. *''नीलकंठ ईश्वरमूर्ति हैं । इसलिए हम उन्हें अपने घर भोजन के लिये बुलाएँ ।''*
४. *''माँ, आपने भक्ति दीक्षा किससे ली है ?'*

प्र. २. निम्नांकित में से किन्हीं दो के कारण लिखिए।(१० - १२ पंक्तियों में) **८**

१. *पिबैक नन्हे से नीलकंठ के चरणों में लोटने लगा ।*
२. *नीलकंठ ने रामानंद स्वामी के आश्रम में रहना पसंद किया ।*
३. *नीलकंठ ने अपनी वाणी को शाप दिया ।*
४. *मुक्तानंद स्वामी ने स्त्रियों को अंतिम 'राम, राम' कहा ।*

प्र. ३. निम्नांकित में से किसी एक का विवरण कीजिए। (करीब बारह पंक्तियों में) **४**

१. *जांबुवन का कल्याण ।*
२. *नीलकंठ की महिमा ।*
३. *तपस्वियों की दिव्य गति ।*

प्र. ४. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । **६**

१. *नीलकंठ ने गृहत्याग कब किया ?*
२. *नीलकंठ ने सेवकराम को कैसा जानकर उसका संग छोड़ दिया ?*
३. *नीलकंठ क्या कह कर भिक्षा माँगते थे ?*

४. *भगवानदास ने नीलकंठ के दायें पैर में किन किन चिह्नों को देखा ?*
५. *शिव और पार्वती ने नीलकंठ को क्या खिलाया ?*
६. *नीलकंठ को सुरत में कितने दिनों के बाद भोजन मिला ?*

प्र. ५. निम्नांकित में से किसी एक पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखकर उसका भावार्थ लिखिए । (करीब १२ पंक्तियों में) **४**

१. *गोख बंद किया ।*
२. *जगन्नाथपुरी में साधुओं का विनाश ।*
३. *पुलहाश्रम में कठिन तपश्चर्या ।*

प्र. ६. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **४**

१. *नीलकंठ ने ..... गाँव में तेलंगी बाह्मण का उद्धार किया ।*
२. *नीलकंठ ने ..... गाँव में १६ मन खीर की गठरी अपने सिर पर रखी ।*
३. *नीलकंठ को दीक्षा देकर सहजानंद स्वामी और ..... इस तरह दौ नाम दिये ।*
४. *नीलकंठ का पत्र लेकर ..... हरिभक्त भूज गए ।*

(विभाग - २ सत्संग वाचनमाला भाग - १)

प्र. ७. निम्नलिखित में से कोई भी दो अवतरण कौन, किससे और कब कहते हैं, यह लिखिए । **६**

१. *''धाम में आने की जल्दबाजी नहीं करना ।''*
२. *''तुम्हारे घर की देहली के पास कुमकुम के पाँच चरणचिह्न दिखाई दे तो मेरी बात सच मानना ।''*
३. *''ये बल्लियाँ निकल सकती है क्या ?''*
४. *''मेरे प्रिय संत की सेवा मेरी सेवा के बराबर है ।''*

प्र. ८. किन्हीं दो के कारण दीजिए । (१० - १२ पंक्तियों में) **८**

१. *श्रीजीमहाराज ने जोबनपगी को तन के द्वारा सेवा सहायता करने को कहा ।*
२. *कोठारी जेठा भगत ने वडताल मंदिर छोड़ दिया ।*
३. *एभल खाचर ने जीवुबा से क्षमा माँगी।*
४. *शुकमुनि ने सुबह में स्नान पूजा के बिना सुखडी खा ली ।*

प्र. ९. निम्नांकित प्रसंगों में से किसी एक पर १० - १२ पंक्तियों में टिप्पणी लिखिए । ४

१. *लाडुदान में से बह्मानंद ।*
२. *पंचाला में फूलदोल का उत्सव ।*
३. *निष्ठा और सेवा के आदर्श - आशाभाई ।*

प्र. १०. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । ६

१. *श्रीजीमहाराज ने झीणाभाई की अर्थी क्यों उठाई ?*
२. *रणछोडराय ने स्वप्न में दर्शन देकर आशाभाई को क्या कहा ?*
३. *जीवुबा को सब दूसरे किन किन नामों से पहचानते हैं ?*
४. *महाराज ने किस वचनामृत में शुकमुनि की प्रशंसा की है ?*
५. *अष्ट कवियों में से किन्हीं चार कवियों के नाम लिखिए ।*
६. *श्रीजीमहाराज ने अपनी मूर्ति की स्थापना कहाँ और किस नाम से की ?*

प्र. ११. निम्नांकित विषयों में से किसी एक पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखकर उसका भावार्थ लिखिए । (करीब १२ पंक्तियों में) ४

१. *देवानंद स्वामी की गानविद्या ।*
२. *गधे की गाय ।*
३. *नि:स्पृही निर्गुण स्वामी ।*

(विभाग - 3 निबंध)

प्र. १२. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग ४५ पंक्तियों में निबंध लिखे । १५

१. *नीलकंठ - तरुणों का आदर्श ।*
२. *संप्रदाय का अनमोल साहित्य ।*
३. *भूकंपग्रस्तों की सहायता में अक्षरपुरुषोत्तम संस्था ।*